B.Ed. Sem-III

A3 - Pedagogy of School Subject: Sanskrit Teaching

P. Pages : 3 **GUG/S/19/2752**

Time : Three Hours * 2 0 5 8 * Max. Marks : 100

Notes : 1. Solve all questions.
2. All questions carry equal marks.

1. Explain the place and Importance of Sanskrit in school, curriculum. Explain the cultural and historical Importance of Sanskrit. **20**

OR

Which are the various methods of teaching Sanskrit. Explain Gurukul method in detail.

2. Explain the objectives and specifications of teaching Sanskrit with suitable examples. **20**

OR

State the criteria of good text book of Sanskrit. Evaluate the text book of Sanskrit of class 9^{th}.

3. Answer **any two** of the following. **20**

a) State the importance of Audio-Visual aids in teaching Sanskrit.

b) Explain the essential qualities of a good Sanskrit teacher.

c) State the correlation of Sanskrit with other school subjects.

4. Answer **any two** of the following. **20**

a) Explain the importance of Annual plan and unit plan in Sanskrit teaching.

b) What are the difficulties faced by a teacher while teaching Sanskrit.

c) Explain various techniques of teaching Sanskrit.

5. Write short notes on **any four** of the following. **20**

a) Importance of Students workbook.

b) Need of subject teacher association.

c) Value oriented teaching.

d) Importance of Sanskrit Laboratory.

e) Diagnostic and remedial teaching in Sanskrit.

f) Co-curricular activities in Sanskrit teaching.

****

B.Ed. Sem-III

A3 - Pedagogy of School Subject: Sanskrit Teaching

Time : Three Hours | Max. Marks : 100

सूचना :- 1. सर्व प्रश्न सोडवा.
2. सर्व प्रश्नांना समान गुण आहेत.

1. शालेय अभ्यासक्रमात संस्कृत चे स्थान व महत्व स्पष्ट करा. संस्कृतचे सांस्कृतिक आणि ऐतिहासिक महत्व स्पष्ट करा. **20**

किंवा

संस्कृत अध्यापनाच्या विभिन्न पध्दती कोणत्या गुरूकुल पध्दती सविस्तर स्पष्ट करा.

2. संस्कृत अध्यापनाची उद्दिष्टे आणि स्पष्टीकरणे योग्य उदाहरणाद्वारे स्पष्ट करा. **20**

किंवा

संस्कृतच्या चांगल्या पाठ्यपुस्तकाचे निकष सांगून इयत्ता 9 वी च्या संस्कृत पाठ्यपुस्तकाचे परिक्षण करा.

3. खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** प्रश्नांची उत्तरे लिहा. **20**

अ) संस्कृत अध्यापनात दृक-श्राव्य साधनांचे महत्व सांगा.

ब) चांगल्या संस्कृत शिक्षकाचे आवश्यक गुणविशेष स्पष्ट करा.

क) संस्कृत विषयाचा इतर शालेय विषयाशी सहसंबंध स्पष्ट करा.

4. खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** प्रश्नांची उत्तरे लिहा. **20**

अ) संस्कृत अध्यापनात वार्षीक नियोजन आणि घटक नियोजनाचे महत्व स्पष्ट करा.

ब) संस्कृत अध्यापनात शिक्षकाला येणाऱ्या समस्या स्पष्ट करा.

क) संस्कृत अध्यापनाची विविध तंत्रे स्पष्ट करा.

5. खालीलपैकी **कोणत्याही चारवर** टीपा लिहाः- **20**

अ) विद्यार्थी कार्यपुस्तिकेचे महत्व.

ब) विषय शिक्षक संघटनेची आवश्यकता.

क) मूल्याधिष्ठीत अध्यापन.

ड) संस्कृत प्रयोगशाळेचे महत्व.

इ) संस्कृत मध्ये निदानात्मक आणि उपचारात्मक अध्यापन.

फ) संस्कृत अध्यापनात सह-शालेय उपक्रम.

****

B.Ed. Sem-III

A3 - Pedagogy of School Subject: Sanskrit Teaching

Time : Three Hours | Max. Marks : 100

सूचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न हल कीजिये।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान है।

1. शालेय पाठ्यक्रम में संस्कृत का स्थान एवं महत्व स्पष्ट कीजिये। संस्कृत का सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व स्पष्ट कीजिये। **20**

अथवा

संस्कृत अध्यापन की विभिन्न पध्दतीयाँ कौनसी है? 'गुरूकुल' पध्दती सविस्तार स्पष्ट कीजिये।

2. संस्कृत अध्यापन के उद्देश्य एवं स्पष्टीकरणों को उचित उदाहरणोंद्वारा स्पष्ट कीजिये। **20**

अथवा

संस्कृत की अच्छी पाठ्यपुस्तक के मापदंड बताकर कक्षा 9 वी के संस्कृत के पाठ्यपुस्तक का परीक्षण कीजिये।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** के उत्तर लिखिये। **20**

अ) संस्कृत अध्यापन में दृक-श्रवण साधनों का महत्व।

ब) अच्छे संस्कृत अध्यापक के अनिवार्य गुणविशेषताएँ स्पष्ट कीजिये।

क) संस्कृत विषय का अन्य शालेय विषयों से सहसंबंध स्पष्ट कीजिये।

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** के उत्तर लिखिये। **20**

अ) संस्कृत अध्यापन में वार्षीक नियोजन एवं इकाई नियोजन का महत्व स्पष्ट कीजिये।

ब) संस्कृत अध्यापन में शिक्षक को आनेवाली बाधाऐ स्पष्ट कीजिये।

क) संस्कृत अध्यापन की विभिन्न तकनिकी स्पष्ट कीजिये।

5. निम्न में से **किन्हीं चार** पर टिप्पणियाँ लिखिये। **20**

अ) विद्यार्थी कार्यपुस्तिका का महत्व।

ब) विषय शिक्षक संघटन की आवश्यकता।

क) मूल्य उन्मूख अध्यापन।

ड) संस्कृत प्रयोगशाला का महत्व।

इ) संस्कृत में निदानात्मक एवं उपचारात्मक अध्यापन ।

फ) संस्कृत अध्यापन में सहभागी उपक्रम।

****